मुहावरे एवं लोकोक्ति

PART→6

(1). अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना — आत्म प्रशंसा करना

(2). उँगली पर नचाना — वश मे रखना

(3). औकात पहचानना — यह जानना कि किसी में कितना सामर्थ्य है।

(4). कूपमण्डूक होना — सीमित ज्ञान

(5). कमर कसना — तैयार होना

(6). टूट पड़ना — आक्रमण करना

(7). ठन-ठन गोपाल — पैसा पास न होना

(8). नाकों-चने चबाना — बहुत तंग करना

(9). बाँए हाथ का खेल — अति सरल काम

(10). भैंस के आगे बीन बजाना — बेसमझ आदमी को उपदेश देना

(11). मुँह पकड़ना — बोलने न देना

(12). लोहे के चने चबाना — कठिनाइयों का सामना करना

(13). आँखे चार होना/आँखे लड़ना — देखा-देखी होना / प्रेम होना

(14). आँखे थकना — प्रतीक्षा में निराश होना

(15). आग उगलना — क्रोध प्रकट करना

(16). ऐड़ी चोटी का पसीना एक करना — खूब परिश्रम करना (बहुत परिश्रम करना)

(17). आँख लगना — नींद आना

(18). काला अक्षर भैंस बराबर — अनपढ़ / निरा मूर्ख (अज्ञानी)

(19). खटाई में पड़ना — झमेले में पड़ना

(20). खरी-खोटी सुनाना — भला-बुरा कहना

(21). चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात — क्षणिक सुख (क्षणभर का सुख)

(22). छाती पर पत्थर रखना — असह्य दुःख को दिल में दबा लेना

(23). छाती पर साँप लोटना — ईर्ष्या से हृदय जलना

(24). दूध के दाँत न टूटना — अनुभव का न होना

(25). भीगी बिल्ली बनना — लाचार होना/ डर जाना

(26). मैदान मारना — विजय प्राप्त करना

(27). मुर्गी को तकते का घाव भी बहुत है — कमजोर आदमी थोड़ा सा कष्ट भी नहीं सह सकता

(28). अण्डे सेना — घर में बेकार बैठे रहना

(29). आठखेलियाँ सूझना — हँसी दिल्लगी करना

(30). अपना- अपना राग अलापना — अपनी ही बातें कहना

(31). अबे-तबे करना — आदर से न बोलना

(32). आँख का काजल — अत्यंत प्रिय

(33). आँच न आने देना (आग/अग्नि) — जरा सा भी कष्ट न होने देना

(34). आँधी के आम — सस्ती चीजें

(35). उधेड़ - बुन में पड़ना/रहना — सोच विचार करते रहना

(36). कंधे से कंधा छिलना — भारी- भीड़ होना

(37). काला नाग — खोटा या घातक व्यक्ति

(38). खाक में मिलना — नष्ट करना

(39). गाँठ में बाँधना — खूब याद रखना

(40). गाजर मूली समझना — तुच्छ समझना

(41). गूलर का फूल — दुर्लभ वस्तु

(42). चाँदी का जूता — रिश्वत का धन (घूस का पैसा)

(43). चिकना घड़ा — बेशर्म (बेहया आदमी)

(44). छक्के छूटना — बुद्धि चकरा जाना

(45). जमीन आसमान का फर्क — बहुत भारी अंतर (बहुत बड़ा अंतर)

(46).	जीती मक्खी निगलना	जानते हुए भी धोखा
(47).	ढाई घड़ी का आना	अचानक मर जाना
(48).	बाजार गर्म होना	काम धंधा तेज होना
(49).	पानी पीकर जात पूँछना	काम करने के बाद उसके अच्छे-बुरे पहलुओं पर विचार करना।